[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 717 **D** **Your Roll No...............**

Unique Paper Code : 213657

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Sanskrit Language**

Name of the Paper : Paper – 4, (Sanskrit and Culture)

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer **all** questions.
3. Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5)

   Explain the following :

   समानो मन्त्र: समिति: समानी समानं मन: सह चित्तमेषाम्।

   समानं मन्त्रमभि मन्त्रये व: समानेन वो हविषा जुहोमि ।।

   अथवा (OR)

   ॐ भूर्भुव: स्व: । तत्सवितुर्वरेण्यम् । भर्गोदेवस्य धीमहि । धियो यो न: प्रचोदयात् ।

P.T.O.

2. शान्तिपाठ का महत्त्व बताइए। (5)

Describe the importance of शान्तिपाठ.

3. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5)

Explain the following :

सुषारथिरश्वानिव यन्मनुष्यान्नेनीयतेऽभीशुभिर्वाजिन इव ।

हृत्प्रतिष्ठं यदजिरं जविष्ठं तन्मे मन: शिवसङ्कल्पमस्तु ।।

अथवा (OR)

यस्मिन्नृच: सामयजूंषि यस्मिन् प्रतिष्ठिता रथनाभाविवारा: ।

यस्मिंश्चित्तं सर्वमोतं प्रजानां तन्मे मन: शिवसङ्कल्पमस्तु ।।

4. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5)

Explain the following :

यस्तु सर्वाणि भूतान्यात्मन्येवानुपश्यति ।

सर्वभूतेषु चात्मानं ततो न विजुगुप्सते ।।

अथवा (OR)

तदेजति तन्नैजति तद्दूरे तद्वन्तिके ।

तदन्तरस्य सर्वस्य तदु सर्वस्यास्य बाह्यत: ।।

5. ईशावास्योपनिषद् का सार अपने शब्दों में लिखिए। (5)

Write the summary of ईशावास्योपनिषद् in your own words.

अथवा (OR)

ईशावास्योपनिषद् के अनुसार 'आत्मा' की संकल्पना पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

Elaborate the concept of आत्मा according to the ईशावास्योपनिषद् .

6. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5)

Explain the following :

अथ यदि ते कर्मविचिकित्सा वा वृत्तविचिकित्सा वा स्यात् । ये तत्र ब्राह्मणा: सम्मर्शिन: । युक्ता अयुक्ता: । अलूक्षा धर्मकामा: स्यु: । यथा ते तत्र वर्तेरन् । तथा तत्र वर्तेथा: । अथाभ्याख्यातेषु । ये तत्र ब्राह्मणा: सम्मर्शिन: ।

अथवा (OR)

देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम् । मातृदेवो भव । पितृदेवो भव । आचार्यदेवो भव । अतिथिदेवो भव । यान्यनवद्यानि कर्माणि । तानि सेवितव्यानि । नो इतराणि । यान्यस्माकँ सुचरितानि । तानि त्वयोपास्यानि । नो इतराणि ।

7. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (6)

Explain the following :

आजगाम ततो ब्रह्मा लोककर्ता स्वयं प्रभु: ।
चतुर्मुखो महातेजा द्रष्टुं तं मुनिपुङ्गवम् ।।

अथवा (OR)

मा निषाद प्रतिष्ठां त्वमगम: शाश्वती: समा: ।
यत् क्रौञ्चमिथुनादेकमवधी: काममोहितम् ।।

8. रामायण के बालकाण्ड के अनुसार तमसा नदी का वर्णन कीजिए । (5)

Describe तमसा river according to the बालकाण्ड of रामायण.

9. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (6)

Explain the following :

नित्यं सन्त: कुले जाता: पावकोपमतेजस: ।
क्षमावन्तो निराकारा: काष्ठेऽग्निरिव शेरते ।।

अथवा (OR)

न विश्वसेदविश्वस्ते विश्वस्ते नापिविश्वसेत् ।
विश्वासाद् भयमुत्पन्नं मूलान्यपि निकृन्तति ।।

10. विदुर किस प्रकार के राजा को श्रेष्ठ कहते हैं ? (5)

Who is the best ruler according to Vidura.

अथवा (OR)

विदुर के अनुसार किस प्रकार का मनुष्य हानिकारक होता है ?

What type of people are harmful according to विदुर ?

11. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (6)

Explain the following :

योजनानां सहस्रं तु दीपोऽयं दक्षिणोत्तरात् ।
पूर्वे किराता यस्यान्ते पश्चिमे यवनाः स्थिताः ।।

अथवा (OR)

उत्तरं यत्समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम् ।
वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः ।।

12. विष्णुपुराण के अनुसार भारतभूमि किस प्रकार कर्मभूमि है ? (5)

How भारतभूमि is कर्मभूमि according to विष्णुपुराण ?

अथवा (OR)

विष्णुपुराण के अनुसार भारतवर्ष का भौगोलिक वर्णन कीजिए ।

Explain geographical description of भारतवर्ष in accordance with विष्णुपुराण.

13. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (6)

Explain the following :

सम्पूज्य वरुणं विष्णुं पर्जन्य तत्समाचरेत् ।
अरिष्टाशोकपुंनागशिरीषाः सप्रियंगवः ।।

अथवा (OR)

स्थानात्स्थानान्तरं कार्यं वृक्षाणां द्वादशावरम् ।
विफलाः स्युर्घना वृक्षाः शस्त्रेणाऽऽदौहि शोधनम् ।।

14. अग्निपुराण के अनुसार भूमि के शुद्धीकरण की विधि लिखिए । (6)

Write the method of purification of land as per अग्निपुराण.